ISSN 0971-1252

Ethnobotany
Vol. 34, 2022, pp 8-12

कोरोना का काल, 75 पौधे और भारत की आजादी के 75 साल

रामलखन सिंह सिकरवार
ए.के.एस. विश्वविद्यालय, सतना, मध्य प्रदेश-485001
Corresponding author: rlssikarwar@rediffmail.com

सारांश

हम वर्ष 2022 में भारत देश की आजादी की 75 वीं वर्ष गांठ (प्लेटीनम जुबिली) 'आजादी का अमृत महोत्सव' काल के रूप में मना रहे हैं। इन 75 सालों में एक ओर हमारे देश ने हर क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। वहीं दूसरी ओर हमारी प्राचीन सनातन सांस्कृतिक परंपराओं का ह्रास हुआ है। इसका प्रमुख कारण रहा है-संचार माध्यम, अंग्रेजी भाषा तथा पाश्चात्य जीवन शैली। भारत ही विश्व का एक मात्र ऐसा देश है, जहां की सांस्कृतिक विविधता अपने आप में अनूठी है। यहां की परंपरागत चिकित्सा पद्धति विश्व की सबसे प्राचीन चिकित्सा पद्धति है। विगत डेढ़ साल से कोरोना नामक महामारी ने समूचे विश्व में तबाही एवं हाहाकार मचा रखा है। यह महामारी एक विषाणु द्वारा फैलती है जिसे 'कोविड-19' नाम दिया गया है। कोरोना महामारी के प्रमुख लक्षणों में बुखार, खांसी, जुकाम, गले में खरास, सिरदर्द, श्वांस लेने में परेशानी आादि शामिल हैं। लोकऔषधि एवं आयुर्वेद में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले तथा बुखार, खांसी, जुकाम, गले की खरास, सिरदर्द, के उपचार हेतु सैकड़ों पौधों का वर्णन किया गया है। चूंकि, हम अपने भारत देश की आजादी की 75 वीं वर्षगांठ मना रहे हैं, इसलिए प्रस्तुत लेख में उन्हीं 75 ही पौधों का ही वर्णन किया गया है जो कोरोना महामारी को रोकने में सक्षम हैं।

अत्यंत हर्ष का विषय है कि हम वर्ष 2022 में अपने भारत की आजादी की 75 वीं वर्षगांठ (प्लेटीनम जुबिली) 'आजादी का अमृत महोत्सव' काल के रूप में मना देश रहे हैं। इन 75 सालों में एक ओर हम देखें तो हमारे देश ने हर क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है, फिर चाहे वो विज्ञान का क्षेत्र हो, आर्थिक क्षेत्र हो, संचार का क्षेत्र हो, कृषि का क्षेत्र हो, शिक्षा का क्षेत्र हो, स्वास्थ्य का क्षेत्र हो, ग्रामीण क्षेत्र हो, सैन्य क्षेत्र हो तथा अंतरिक्ष क्षेत्र इत्यादि हो। हर क्षेत्र में चंहुमुखी विकास हुआ है। परन्तु वहीं दूसरी ओर हमारी प्राचीन सनातन संस्कृति तथा परंपराओं के संरक्षण तथा संवर्धन के क्षेत्र में हमारे देश का ह्रास हुआ है। हमारी हजारों साल की सनातन संस्कृति, रीति-रिवाज, खान-पान, रहन-सहन, भेष-भूषा, पूजा- पद्धति, आपसी मेल-जोल व भाई-चारा, परस्पर सहयोग, कुटुम्ब व्यवस्था, हिन्दी भाषा एवं स्थानीय बोलियों इत्यादि के क्षेत्र में इन 75 सालों में हमें पतन का मुंह देखना पड़ा है। इसका प्रमुख कारण रहा है-संचार माध्यम, अंग्रेजी भाषा तथा पाश्चात्य जीवन शैली की ओर अग्रसरता। यदि हमने अपनी संस्कृति संरक्षण को ध्यान में रखकर विकास किया होता तो इन 75 वर्षों में भारत की छवि कुछ और ही होती।

भारत ही विश्व का एक मात्र ऐसा देश है जहां की सांस्कृतिक विविधता अपने आप में अनूठी है। यहां सर्वाधिक विभिन्न प्रकार की स्थानीय जातियां एवं जनजातियां निवास करती हैं, जो एक दूसरे से रीति-रिवाज, भेष-भूषा, रहन-सहन, खान-पान, भाषा, बोली, संस्कृति में एकदम अलग-अलग हैं। इनमें से 705 जनजातियां तो केवल सघन वनों तथा वनों के आस-पास ही निवास करती हैं और वनों तथा वन्य उत्पादों पर ही अपना जीवन यापन करती हैं। ये अपने रोगों तथा बीमारियों का उपचार अपने आस-पास पाए जाने वाले पेड़-पौधों से करते हैं। यह परंपरागत चिकित्सीय ज्ञान इन जनजातियों में हजारों सालों से मौखिक रूप से प्रवाहित होता चला आ रहा है। परन्तु अब इनका यह ज्ञान भी लुप्त होता जा रहा है, क्योंकि इनकी नई पीढ़ी इस ज्ञान को संजो कर रखने को इच्छुक नहीं है तथा पाश्चात्य जीवन शैली की ओर भी आकर्षित हो रही है।

भारत की प्राचीन परंपरागत चिकित्सा पद्धति विश्व की सबसे प्राचीन चिकित्सा पद्धति है और यह अनादि काल से अनवरत उपयोग होती आ रही है। यह मुख्य रूप से दो धाराओं के रूप में बहती चली आ रही है- एक धारा लिखित रूप में प्रचलित जिसे हम आयुर्वेद, सिद्धा, यूनानी, आमची आदि के नाम से जानते हैं और दूसरी मौखिक रूप में प्रचलित जिसे हम लोकऔषधि (इथनोमेडिसिन) के नाम से जानते हैं। इस लोकऔषधि का वर्णन आचार्य चरक ने 'चरक संहिता' तथा आचार्य सुश्रुत ने 'सुश्रुत संहिता'में भी किया है-

औषधि नाम रूपाभ्यां जानते ह्यजपावने।
अविपाश्चैवः गोपाश्चः ये चान्ये वनवासिनः।।
-चरकसंहिता

गोपालास्तापसा व्याधा ये चान्ये वनचारिणः।
मूलाहाराश्च ये तेभ्यो भेषजं व्यक्तिरिस्यते।।
-सुश्रुत संहिता

अर्थात 'भेड़ व बकरी चराने वाले गड़रिये, गाय चराने वाले ग्वाले तथा वनों में रहने वाले वनबासी वनों के पौधों को उनके नाम, रूप और गुण से पहचानते हैं। आयुर्वेद के लोगों को इन लोगों से भी औषधियों का ज्ञान एकत्र करना चाहिए'।

यह लोकऔषधि (इथनोमेडिसिन) लोकवनस्पति विज्ञान (इथनोबोटनी) के अंतर्गत स्थानीय लोगों द्वारा रोगोपचार में प्रयुक्त पौधों का अध्ययन है। भारत में लोकवनस्पति विज्ञान के अध्ययन का बीज तो सन् 1956 में डा. जानकी अम्माल ने बोया था लेकिन उसको बट वृक्ष के रूप में स्थापित करने का श्रेय डा. सुधांशू कुमार जैन साहब को जाता है। उन्हीं के प्रयास से आज लाकेवनस्पति विज्ञान रूपी यह वृक्ष भारत में अपनी जड़ें बहुत गहरी जमा चुका है।

भारत विश्व का क्षेत्रफल की दृष्टि से भले ही सातवां बड़ा देश हो लेकिन जनसंख्या की दृष्टि से विश्व का दूसरा बड़ा देश है और अनुमान के अनुसार 2022 में हम विश्व में प्रथम स्थान पर होंगे। हम सभी भली भांति परिचित हैं कि कैसे विगत डेढ़ साल से कोरोना नामक महामारी ने समूचे विश्व में तबाही एवं हाहाकार मचा रखा है। करोड़ों लोग इससे प्रभावित तथा लाखों लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा है। यह महामारी एक वायरस द्वारा फैलती है जिसे 'कोविड-19' के नाम से जाना जाता है। इस वायरस का जन्मदाता चीन है जिसने बुहान की लैब में इसे तैयार किया और वहीं से यह सम्पूर्ण विश्व में फैला।

इस महामारी को रोकने में वो देश सबसे ज्यादा विफल रहे हैं जो अपने आपको अति विकसित देशों की श्रेणी में अग्रणी मानते थे, जैसे कि अमेरिका, इटली, फ्रांस, जर्मनी, इंग्लैण्ड इत्यादि। वहीं दूसरी ओर भारत देश जो कि जनसंख्या की दृष्टि से दुनियां का दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला देश है, में कोरोना महामारी की दोनों लहर उतनी अधिक हानि नहीं पहुंचा पाईं कि जितनी अधिक आशंका थी। दूसरी लहर कुछ घातक हुई भी लेकिन उस पर भी समय रहते काबू पा लिया गया। क्यों? क्यांकि, राजनीतिक रूप से इसका श्रेय देश के कुशल राजनीतिक नेतृत्व, चिकित्सकों व फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं के समर्पित सेवा भाव तथा वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत को दिया जा सकता है, इसमें किसी को संदेह नहीं है। परन्तु इसका प्रमुख कारण है भारतीय लोगों की शक्तिशाली 'प्रतिरक्षा प्रणाली'/'रोग प्रतिरोधक क्षमता' (इम्यून तंत्र) का होना। क्योंकि भारत में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले पौधे अनादि काल से हमारे खान-पान का प्रमुख हिस्सा रहे हैं। आयुर्वेद में प्रतिरक्षा/रोग प्रतिरोधक क्षमता को 'ओज' (इम्यूनिटी) कहते हैं। आयुर्वेद के सिद्धान्त के अनुसार ओज सम्पूर्ण स्वास्थ्य, कल्याण, बुद्धिमता, प्रतिरक्षा और मनष्यों की विचार प्रक्रिया के लिए जिम्मेदार है। ओज की अवधारणा के अनुसार, शरीर की प्रतिरोधक क्षमता न केवल बीमारी की रोकथाम के लिए बल्कि बीमारी से तेजी से स्वास्थ्य लाभ के लिए भी महत्वपूर्ण है। आयुर्वेद में अनेकों पौधों को शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने हेतु उपयुक्त माना गया है। आचार्यों ने इन्हें रसायन कहा है, जैसे कि आंवला, अश्वगंधा, गिलोय, च्यवनप्राष इत्यादि।

हमारा रसोई घर तो अपने आप में एक 'औषधालय' है, जिसमें रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले अनेक औषधीय पौधे मसालों के रूप में सदैव उपलब्ध रहते हैं। जिनमें प्रमुख रूप से हल्दी, अदरक, सोंठ, दालचीनी, लौंग, हींग, मैथी, जीरा, सौंफ, घनियां, मिर्च, काली मिर्च, पिप्पली, तेजपत्ता, अजवाइन, राई, छोटी इलाइची, बड़ी इलाइची, जावित्री, मंगरैल, प्याज, लहशुन, नींबू, गरम मशाला, इत्यादि शामिल हैं। उपर्युक्त सभी चीजें हमारे दैनिक भोजन व भारतीय चिकित्सा पद्धति का प्रमुख अंग हैं और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को सुद्रढ़ बनाती हैं। यह हमारा रसोई घर ही कोरोना महामारी को रोकने में ढ़ाल ही नहीं बल्कि रामवाण सावित हुआ है और इस बात को विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी स्वीकार किया है।

कोरोना महामारी के प्रमुख लक्षणों में बुखार, खांसी, जुकाम, गले में खरास, सिरदर्द, श्वांस लेने में परेशानी शामिल हैं। लोकऔषधि एवं आयुर्वेद में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले तथा बुखार, खांसी, जुकाम, गले की खरास, सिरदर्द, के उपचार हेतु सैकड़ों पौधों का वर्णन किया गया है।

चूंकि हम अपने भारत देश की आजादी की 75 वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। इसलिए मा. प्रधानमंत्री जी की इच्छानुसार भारत की आजादी की 75 वीं वर्षगांठ पर प्रस्तुत लेख में 75 ही पौधों का ही वर्णन किया जा रहा

है, जो डा. सुधांशू कुमार जैन की प्रसिद्ध पुस्तक 'डिक्शनरी औफ इंडियन फोक मेडिसिन एण्ड इथनोबोटनी' तथा डा. वर्तिका जैन एवं डा. सुधांशू कुमार जैन की पुस्तक 'कोम्पेन्डियम औफ इंडियन फोक मेडिसिन एण्ड इथनोबोटनी' से लिए गए हैं। ये सभी पौधे एक ओर तो मनष्य की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर ढ़ाल का काम करते हैं वहीं दूसरी ओर कोरोना वाइरस को निष्प्रभावी करने में रामवाण का काम करते हैं। निम्न तालिका में इन 75 पौधों का हिन्दी नाम, वानस्पतिक नाम, कुल, प्रयुक्त भाग तथा रोग एवं बीमारी का नाम दिया गया है-

S.No.	Hindi name	Botanical name	Family	Parts used	Ailments & Diseases
1	अचार	*Buchanania cochinchinensis* (Lour.) M.R. Almeida	Anacardiaceae	Seed	Bronchitis, cough, fever, headache, lung diseases
2	अनंतमूल	*Hemidesmus indicus* (L.) R.Br.	Apocynaceae	Root, Fruit	Asthma, cough, fever
3	अड़ूसा	*Justicia adhatoda* L.	Acanthaceae	Leaf	Asthma, bronchitis, cough, fever, pulmonary affection
4	अचार	*Zingiber officinale* Roscoe	Zingiberaceae	Rhizome	Asthma, bronchitis, cough, immunity booster, throat infection
5	अमलतास	*Cassia fistula* L.	Fabaceae	Root, Stem bark, Fruit	Asthma, bronchitis, cough, fever, headache
6	अश्वगंधा	*Withania somnifera* (L.) Dunal	Solanaceae	Root	Asthma, bronchitis, cough, tonic, immunity booster
7	आंवला	*Phyllanthus emblica* L.	Phyllanthaceae	Fruit	Asthma, bronchitis, fever, headache, immunity booster
8	इमली	*Tamarindus indica* L.	Fabaceae	Fruit, Leaf	Cough, fever, headache
9	कनफूल	*Cardiospermum halicacabum* L.	Sapindaceae	Stem, Leaf, Root, Seed	Fever, lung diseases
10	करंज	*Pongamia pinnata* (L.) Pierre	Fabaceae	Fruit, Seed, Seed oil	Bronchitis, cough, fever, headache
11	कलिहारी	*Gloriosa superba* L.	Colchicaceae	Leaf, Root	Asthma, cough, fever, headache, pneumonia
12	कालमेघ	*Andrographis paniculata* (Burm.f.) Wall. ex Nees	Acanthaceae	Whole plant	Asthma, bronchitis, cough, fever, headache, respiratory disorders
13	काली मिर्च	*Piper nigrum* L.	Piperaceae	Fruit	Cough, fever, immunity booster, throat infection
14	कालीमूसली	*Curculigo orchioides* Gaertn.	Hypoxidaceae	Root	Asthma, cough, fever, nasal problem, tonic
15	किवांच	*Mucuna pruriens* (L.) DC.	Fabaceae	Root, Seed	Cough, fever
16	कुटकी	*Gentiana kurroo* Royle	Gentianaceae	Root	Cough, fever, headache
17	कुरेया	*Holarrhena pubescens* Wall. ex G.Don	Apocynaceae	Seed, Bark	Asthma, cough, fever, headache
18	कुलंजन	*Alpinia galanga* (L.) Willd.	Zingiberaceae	Rhizome	Asthma, cough, fever, headache, throat infection
19	केउकंद	*Hellenia speciosa* (J. Koenig) S.R. Dutta, [= *Costus speciosus* (J. Koenig) Sm.]	Costaceae	Rhizome, Leaf	Asthma, bronchitis, cough, fever, lung diseases
20	कैंथा	*Limonia acidissima* L.	Rutaceae	Fruit	Asthma, bronchitis, cough, tonic
21	गम्हारी	*Gmelina arborea* Roxb. ex. Sm.	Lamiaceae	Leaf, Root	Asthma, bronchitis, cough, fever, headache
22	गिलोय	*Tinospora cordifolia* (Wild.) Hook.f. & Thomson	Menispermaceae	Stem	Asthma, cough, fever, headache, immunity booster, pneumonia, tonic
23	गुंजा	*Abrus precatorius* L.	Fabaceae	Root, Leaf	Bronchitis, cough, fever, throat infection, immunity booster
24	गुडमार	*Gymnema sylvestre* (Retz.) R.Br. ex Sm.	Apocynaceae	Leaf	Asthma, cough, bronchitis, fever
25	ग्वारपाठा	*Aloe vera* (L.) Burm.f.	Asphodelaceae	Leaf	Bronchitis, cough, fever, headache, nose snuff, immunity booster

26	चिरचिरा	*Achyranthes aspera* L.	Amaranthaceae	Root	Asthma, bronchitis, cough, fever
27	चिराइता	*Swertia chirayita* (Roxb.) H. Karst.	Gentianaceae	Whole plant, Root	Asthma, bronchitis, fever
28	चित्रक	*Plumbago zeylanica* L.	Plumbaginaceae	Root	Cough, fever, headache
29	जंगली ईसवगोल	*Plantago major* L.	Plantaginaceae	Whole plant, Seed	Asthma, bronchitis, fever, tonic
30	तुलसी	*Ocimum tenuiflorum* L.	Lamiaceae	Leaf	Asthma, bronchitis, cough, fever, headache, throat infection immunity booster,
31	दमबेल	*Vincetoxicum indicum* (Burm. f.) Mabb., [= *Tylophora indica* (Burm.f.) Merr.]	Apocynaceae	Leaf	Asthma, bronchitis, cough, fever, headache, immunity enhancer, lung diseases
32	दालचीनी	*Cinnamomum verum* J. Presl	Lauraceae	Bark	Asthma, bronchitis, cough, immunity booster
33	दूधी	*Euphorbia hirta* L.	Euphorbiaceae	Whole plant	Asthma, bronchitis, fever
34	नाही	*Enicostemma axillare* (Poir. ex Lam.) A. Raynal	Gentianaceae	Leaf	Fever, headache
35	निर्गुण्डी	*Vitex negundo* L.	Lamiaceae	Leaf	Asthma, bronchitis, cough, fever, headache
36	नींबू	*Citrus limon* (L.) Osbeck.	Rutaceae	Fruit, Leaf	Cough, fever, headache, throat infection, immunity booster
37	नीम	*Azadirachta indica* A. Juss.	Meliaceae	Leaf, Bark	Asthma, cough, fever, headache, tonic
38	पलाश	*Butea monosperma* (Lam.) Kuntze	Fabaceae	Seed, Bark	Asthma, bronchitis, cough, fever
39	पिप्पली	*Piper longum* L.	Piperaceae	Fruit	Asthma, bronchitis, cough, fever, immunity booster, throat infection
40	पियाबांस	*Barlaria prionitis* L.	Acanthaceae	Leaf	Asthma, cough, fever
41	पीली कटेरी	*Argemone mexicana* L.	Papaveraceae	Seed, Leaf	Asthma, cough, lung diseases
42	पुनर्नवा	*Boerhavia diffusa* L.	Nyctaginaceae	Root	Asthma, cough, fever, headache
43	प्याज	*Allium cepa* L.	Amaryllidaceae	Bulb	Asthma, bronchitis, fever, immunity booster
44	बच	*Acorus calamus* L.	Acoraceae	Rhizome	Asthma, bronchitis, cough, fever, headache, throat infection
45	बनककरी	*Podophyllum hexandrum* Royle	Berberidaceae	Fruit, Rhizome	Cough, fever, headache
46	बरगद	*Ficus benghalensis* L.	Moraceae	Aerial root, Leaf, latex	Asthma, cough, fever, health tonic
47	बला	*Sida cordifolia* L.	Malvaceae	Root,	Asthma, fever, headache
48	बहेडा	*Terminalia bellirica* (Gaertn.) Roxb.	Coombretaceae	Fruit	Asthma, bronchitis, cough, fever, immunity booster
49	बेल	*Aegle marmelos* (L.) Correa	Rutaceae	Leaf, Fruit	Asthma, cough, fever, immunity booster, tonic
50	ब्रह्मी	*Bacopa monnieri* (L.) Wettst.	Plantaginaceae	Whole plant	Asthma, cough, fever, nasal congestion, tonic
51	भुंई आंवला	*Phyllanthus amarus* Schumach. & Thonn.	Phyllanthaceae	Whole plant	Asthma, cough, fever, headache
52	भृंगराज	*Eclipta prostrata* (L.) L.	Asteraceae	Whole plant	Asthma, bronchitis, fever
53	मकोय	*Solanum nigrum* L.	Solanaceae	Fruit, Leaf	Cough, fever, nostril complaints, throat troubles
54	मण्डूकपर्णी	*Centella asiatica* (L.) Urb.	Apiaceae	Whole plant	Cough, fever, headache
55	मरोड़फली	*Helicteres isora* L.	Malvaceae	Root, Fruit	Asthma, cough, fever
56	महुआ	*Madhuca longifolia* (J. Koenig ex L.) J.F. Macbr.	Sapotaceae	Flower	Bronchitis, cough, immunity booster, tonic

57	मिश्मीतीता	*Coptis teeta* Wall.	Ranunculaceae	Root	Cough, fever, headache, tonic
58	मीठी नीम	*Murraya koenigii* (L.) Spreng.	Rutaceae	Leaf	Cough, fever
59	मुलेठी	*Glycyrrhiza glabra* L.	Fabaceae	Root	Cough, throat infection, immunity booster
60	मौलसिरी	*Mimusops elengi* L.	Sapotaceae	Bark, Leaf	Bronchitis, cough, fever, headache, throat sore
61	रोसा घास	*Cymbopogon martini* (Roxb.) W. Watson	Poaceae	Leaf	Asthma, cough, fever, headache
62	लहसुन	*Allium sativum* L.	Amaryllidaceae	Bulb	Bronchitis, cough, fever, throat infection, immunity booster
63	लौंग	*Syzygium aromaticum* (L.) Merr. & L.M. Perry	Myrtaceae	Fruit	Cough, cold, fever, bronchitis
64	विजयसार	*Pterocarpus marsupium* Roxb.	Fabaceae	Wood, Flower	Asthma, fever
65	शिवलिंगी	*Diplocyclos palmatus* (L.) C. Jeffrey	Cucurbitaceae	Seed	Asthma, cough, fever, headache
66	संजीवनी	*Selaginella bryopteris* (L.) Baker	Selaginellaceae	Whole plant	Fever, tonic
67	सतावर	*Asparagus racemosus* Willd.	Asparagaceae	Root	Cough, bronchitis, fever, headache, nasal problem, immunity booster, tonic
68	सदाबहार	*Catharanthus roseus* (L.) G. Don	Apocynaceae	Leaf	Fever, headache, lung diseases
69	सहजन	*Moringa oleifera* Lam.	Moringaceae	Root, Bark	Asthma, fever, headache, Immunity booster
70	सहदेवी	*Cyanthillium cinereum* (L.) H. Rob.	Asteraceae	Whole plant	Cough, fever, headache
71	सौंफ	*Foeniculum vulgare* Mill.	Apiaceae	Leaf, Seed	Cough, fever, headache
72	सोनापाठा	*Oroxylum indicum* (L.) Kurz	Bignoniaceae	Leaf, Root	Fever, headache, tonic
73	हरसिंघार	*Nyctanthes arbor-tristis* L.	Oleaceae	Bark, leaf	Asthma, cough, fever, headache
74	हल्दी	*Curcuma longa* L.	Zingiberaceae	Rhizome	Bronchitis, cough, fever, headache, immunity booster, throat infection
75	हिंगोट	*Balanites aegyptiaca* (L.) Delile	Zygophyllaceae	Seed, Fruit	Asthma, cough, fever, pneumonia

आभार- प्रस्तुत लेख की रूप-रेखा, विषय-वस्तु एवं मार्गदर्शन करने हेतु मैं अपने परम श्रद्धेय गुरू स्व. डा. सुधांशू कुमार जैन सर का हृदय से बहुत-बहुत आभारी हूँ, जिन्होंने मुझे यह लेख लिखने के लिए कहा कि आजादी के 75 साल के अवसर पर ''कोरोना का काल, 75 पौधे और भारत की आजादी के 75 साल' शीर्षक पर लेख लिखो। लिखने बाद मैंने उन्हें यह लेख पढ़कर भी सुनाया था और उन्होंने प्रशंसा में कहा कि तुमने बहुत अच्छा लिखा है। दुर्भाग्यवश, वो इसके एक सप्ताह बाद ही हमारे बीच नहीं रहे। अतः मैं इस लेख को उनके श्रीचरणों में श्रद्धांजलि स्वरूप सादर समर्पित करता हूँ। ॐ शांन्ति, शांन्ति, शान्तिः।